



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 258]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 2007/भाद्र 9, 1929

No. 258]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 2007/BHADRA 9, 1929

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बजट प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2007

'8.20 प्रतिशत सरकारी स्टॉक 2022' की बिक्री (पुनर्निर्गम) के लिए नीलामी

फा. सं. 4(5)-डब्ल्यूएंडेम/2007—भारत सरकार एतद्वारा 4,000^० करोड़ रुपए(नामिनल) की कुल राशि के लिए '8.20 प्रतिशत सरकारी स्टॉक, 2022' (जिसे इसके बाद 'स्टॉक' कहा गया है) की बिक्री (पुनर्निर्गम) अधिसूचित करती है। यह बिक्री इस अधिसूचना (जिसे 'विदेष अधिसूचना' कहा गया है) में उल्लिखित शर्तों के साथ-साथ समय-समय पर यथासंशोधित भारत सरकार द्वारा जारी सामान्य अधिसूचना एफ. संख्या 4(9)-डब्ल्यूएंडेम/2000 दिनांक 6 मई, 2002 में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन की जाएगी।

नीलामी की विधि

2. सरकारी स्टॉक की बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 के माध्यम से दिनांक 6 मई, 2002 की सामान्य अधिसूचना एफ. संख्या 4(9)-डब्ल्यूएंडेम/2000 के पैसा 5.1 में निर्धारित तरीके से अनेक मूल्य नीलामी विधि का प्रयोग करते हुए मूल्य आधारित नीलामी द्वारा की जाएगी।

अप्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं को आवंटन

3. सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी बोली देने की सुविधा की संलग्न रकीम (अनुबंध) के अनुसार बिक्री की अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक का सरकारी स्टॉक पात्र व्यक्तियों और संस्थाओं को आवंटित किया जाएगा।

नीलामी का स्थान एवं तारीख

4. यह नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 द्वारा 7 सितम्बर, 2007 को संचालित की जाएगी। बोलियो सहित विधिवत भरे गए आवेदन-पत्र 7 सितम्बर, 2007 को अपराह्न 12.30 बजे तक उपर्युक्त कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए जाने चाहिए।

कब निर्गमित कारोबार

5. यह स्टॉक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसके परिपत्र सं० आरबीआई/2006-07/178 दिनांक 16 नवम्बर, 2006 के अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार 'कब निर्गमित' कारोबार के लिए पात्र होगा।

अवधि

6. 15 फरवरी, 2007 से प्रारम्भ यह स्टॉक पन्द्रह वर्ष की अवधि के लिए होगा। स्टॉक की वापरी-आदायगी 15 फरवरी, 2022 को समाप्त हो जाएगी।

नीलामी की तारीख और स्टॉक के लिए भुगतान

7. नीलामी का परिणाम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने फोर्ट, मुंबई कार्यालय में 7 सितम्बर, 2007 को प्रदर्शित किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 10 सितम्बर, 2007 अर्थात् 'पुनर्निर्गम' की तारीख को किया जाएगा। स्टॉक के लिए भुगतान में नीलामी में

आविद्युत संग्रह के नामिनल मूल्य वर्ष 2006-07 से 2007-08 तक सेवन से अर्थात् 15 अक्टूबर 2007 से 9 नवम्बर 2007 तक लघुगिरि व्यापार शामिल होगा।

३४५

अपवाद : क्षेत्रीय ग्रामीण वंशों (आरामदायी) और लहकारी दंगों को नवाचार समितिक बाधेतो के दृष्टिभूत हो रही है।

2 खो प्रविशी नीलामी दो करोड़ रुपए (आंकड़ा मूल्य) से अनधिक राशि के लिए, एक ही बोली लगाते हैं।

3. जैसे किसी व्यक्ति का व्यवहार उनकी अद्दता प्राथमिक सेवाएँ हैं, मालिगा रो अपनी गोली आपल्हा का रुप प्रस्तुत करते हैं।

अपायद - ऐसे ध्योत्रीय ग्रनीज केक (आरआरवी) तथा सहकारी लैंक जो भारतीय स्लिपे बैक में एस.एसी.एल.एल.एल.एल. और पाल स्टार रखते हैं, अपने अप्रौद्योगिकी इतिहासों को प्रत्यक्ष स्थापित करते हैं।

III. व्यापकता : उपर्युक्त सर्वों के अवधि, "जग्गादेसमां" बधार पर छह, दोनों भिन्नभिन्न गिरायों संस्थाओं, गोपीया निधियों, न्यासों और भारतीय जिक्रे वैष्णव द्वारा द्वय मिलायें हैं। किंवा अन्य कलानी विद्याएँ भी व्यक्ति के लिए भवित्वात् रहती हैं जोकी देख की नृत्यग्राम राहि ३०,००० रुपया (इक्किछु रुपया) और इसके बाद ५०,००० रुपये के रुपयों में लाई जाएँ अब उक्त दिनांकित स्थान के लिए हैं।

IV. अन्य प्रचालनात्मक दिशानिर्देश

- खुदरा नियोशक के लिए उस दैव अथवा प्राथमिक डीलर जिन्हें मानव सभा द्वारा चुना दी गयी है औ पारा पर उपर्युक्त सहायक रायगान्य बही (सीएसबीएल) लाता रखना इच्छियाँ नहीं हैं। इस अवधि के लिए भी नियोशक इस समिति के उपर्युक्त कारबॉर पर एक बोली है सकता है। इस असदृ का दृष्टि के नियोशक वैदेशिक वैदेशिक वार्ता विद्या विद्या अथवा प्राथमिक वैदेश वार्ता विद्या किया जाना और रिकार्ड में रखा जाना आवश्यक होगा।
 - अपने ग्राहकों से प्राप्त पक्के आडर के आवार पर व्यापक वैक अथवा प्राथमिक डीलर एनडीएस के जरिए आवेदन पार बोलियां प्रस्तुत करेगा। अन्य लोगों (अंथोट गैर ग्राहकों) से प्राप्त पक्के आडरों को प्राथमिक डीलर कार्यालय में वास्तविक आवेदन प्रपत्रों में प्रस्तुत किया जाए। वारतातिक आवेदन सभी ग्राहकों की समग्र राशि के लिए एक एकल बोली ही सकता है। अलग-अलग ग्राहकों का व्यंग्य यथा-सम और राशि बोली के अनुवंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

3. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर को अप्रतिस्पर्धी खंड के अधीन आबंटन प्रतिलाभ/कीमत की उस भारांशित औसत दर पर होगी, जो प्रतिस्पर्धी बोली देने के आधार पर नीलामी में सामने आएगी। इस बात पर ध्यान दिए बिना कि बैंक अथवा प्राथमिक डीलर ने अपने ग्राहकों से भुगतान प्राप्त कर लिया है या नहीं, निर्गम की तारीख को भुगतान प्राप्त करके बैंक या प्राथमिक डीलर को प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।
4. ऐसे मामले में, जहां बोली की राशि प्रारक्षित राशि (अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत) से अधिक है यथानुपात आबंटन किया जाएगा। आंशिक आबंटनों के मामले में, यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों का उत्तरदायित्व होगा कि वह अपने ग्राहकों को प्रतिभूतियों का उचित आबंटन एक पारदर्शी तरीके से करें।
5. ऐसे मामले में जहां बोली राशि प्रारक्षित राशि से कम हो, कमी को प्रतिस्पर्धी भाग में लिया जाएगा।
6. प्रतिभूति को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केवल एसजीएल रूप में जारी किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक इसे या तो बैंक अथवा प्राथमिक डीलर के मुख्य एसजीएल खाते अथवा सीएसजीएल खाते में जमा करेगा, जैसाकि उनके द्वारा निर्देश दिया गया है। मुख्य एसजीएल खाते में जमा करने की सुविधा एकमात्र उन निवेशकों की सेवा के प्रयोजनार्थ है जो उनके घटक नहीं हैं। अतः बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों को अप्रतिस्पर्धी बोलियों की निविदा देते समय उनके एसजीएल खाते और सीएसजीएल खाते में जमा होने वाली राशियों (अंकित मूल्य) को स्पष्ट रूप से दर्शाना होगा। बाद में निवेशक के अनुरोध पर मुख्य एसजीएल खाते से वास्तविक रूप में की गई सुपुर्दर्गी रवीकार्य है।
7. यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलर का उत्तरदायित्व है कि वह ग्राहक को प्रतिभूतियां हस्तांतरित करें। असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, ग्राहकों को प्रतिभूतियों का अंतरण प्रतिभूति की निर्गम की तिथि से पांच कार्य दिवसों के भीतर पूरा किया जाएगा।
8. बैंक अथवा प्राथमिक डीलर अपने ग्राहकों को यह सेवा देने के लिए छह पैसे प्रति सौ रुपए तक दलाली/कमीशन/सेवा प्रभार के रूप में वसूल कर सकते हैं। ऐसी कीमत विक्री मूल्य में शामिल की जा सकती है या ग्राहकों से अलग से वसूल की जा सकती है। ऐसे मामले में जहां प्रतिभूतियों का अंतरण प्रतिभूति की निर्गम तिथि के बाद प्रभावी होता हो, बैंक या प्राथमिक डीलर को ग्राहक द्वारा देय प्रतिफल राशि में निर्गम तिथि से उपचित ब्याज शामिल होगा।
9. प्रतिभूतियों की लागत, उपचित ब्याज जहां भी लागू हो, तथा दलाली/कमीशन/सेवा प्रभारों के लिए ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने की कार्य-प्रणाली, बैंक या प्राथमिक डीलर द्वारा ग्राहक के साथ की गई सहमति के अनुसार तैयार की जाएगी। यह उल्लेखनीय है कि कोई अन्य लागत, जैसे निधिकरण लागत को मूल्य में शामिल नहीं किया जाना चाहिए या ग्राहकों से वसूल नहीं किया जाना चाहिए।

V. बैंकों और प्राथमिक डीलरों को भारतीय रिजर्व बैंक (बैंक) द्वारा समय-समय पर मांगी गई योजना के तहत रांचालनों से संबंधित सूचना निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत बैंक को प्रस्तुत करनी होगी।

VI. ऊपर उल्लिखित दिशानिर्देश बैंक द्वारा समीक्षा के अधीन हैं और तदनुसार, जब भी आवश्यकता होगी, योजना को संशोधित किया जाएगा।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(BUDGET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 2007

Auction for Sale (Re-issue) of '8.20 per cent Government Stock, 2022'

F. No. 4(5)-W&M/2007.—Government of India hereby notifies sale (re-issue) of '8.20 per cent Government Stock, 2022' (hereinafter called 'the Stock') for an aggregate amount of Rs. 4,000 crore (nominal). The sale will be subject to the terms and conditions spelt out in this notification (called 'Specific Notification') as also the terms and conditions specified in the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 issued by Government of India as amended from time to time.

Method of Issue

2. The Stock will be sold through Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai- 400 001 in the manner as prescribed in paragraph 5.1 of the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 by a price based auction using multiple price auction method.

Allotment to Non-competitive Bidders

3. The Government Stock up to 5 per cent of the notified amount of the sale will be allotted to eligible individuals and institutions as per the enclosed Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities (Annex).

Place and date of auction

4. The auction will be conducted by Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400 001 on September 7, 2007. The application form duly filled in with the bids should be submitted to the aforesaid office on September 7, 2007, by 12.30 P.M.

When Issued Trading

5. The Stock will be eligible for "When Issued" trading in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India in its circular No.RBI/2006-07/178 dated November 16, 2006.

Tenure

6. The Stock will be of fifteen -year tenure commencing from February 15, 2007. The stock will be repaid at par on February 15, 2022.

Date of issue and payment for the Stock

7. The result of the auction shall be displayed by the Reserve Bank of India at its Fort, Mumbai office on September 7, 2007. The payment by successful bidders will be on September 10, 2007, i.e., the date of re-issue. The payment for the Stock will include accrued interest on the nominal value of the Stock allotted in the auction from the date of last coupon payment, i.e., August 15, 2007 to September 9, 2007.

Interest

8. Interest at the rate of 8.20 per cent per annum will accrue on the nominal value of the Stock from the date of original issuance and will be paid half yearly on February 15 and August 15.

By Order of the President of India
V. SIVASUBRAMANIAN, Director (Budget)

ANNEX

Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities

I. Scope: With a view to encouraging wider participation and retail holding of Government securities it is proposed to allow participation on “non-competitive” basis in *select* auctions of dated Government of India (GOI) securities. Accordingly, non-competitive bids *up to 5 per cent* of the notified amount will be accepted in the auctions of dated securities. The reserved amount will be **within** the notified amount.

II. Eligibility: Participation on a non-competitive basis in the auctions of dated GOI Securities will be open to investors who satisfy the following:

1. do not maintain current account (CA) or Subsidiary General Ledger (SGL) account with the Reserve Bank of India.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks shall be covered under this Scheme in view of their statutory obligations.

2. make a *single* bid for an amount not more than Rs. two crore (face value) per auction.
3. submit their bid *indirectly* through any *one* bank or PD offering this scheme.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks that maintain SGL account and current account with the Reserve bank of India shall be eligible to submit their non competitive bids directly.

III. Coverage: Subject to the conditions mentioned above, participation on “non-competitive” basis is open to any person including firms, companies, corporate bodies, institutions, provident funds, trusts, and any other entity as may be prescribed by RBI. The minimum amount for bidding will be Rs. 10,000 (face value) and thereafter in multiples in Rs. 10,000 as hitherto for dated stocks.

IV. Other Operational Guidelines:

1. It will *not* be mandatory for the retail investor to maintain a constituent subsidiary general ledger (CSGL) account with the bank or PD through whom they wish to participate. However, an investor can make only a single bid under this scheme. An undertaking to the effect that the investor is making only a single bid will have to be obtained and kept on record by the bank or PD.
2. **Each bank or PD on the basis of firm orders received from their constituents may submit application -wise bids through NDS. The firm orders received from others (i.e. non-constituents) may be submitted in physical application forms to the PDO. The physical application may be a single bid for the aggregate amount of all the customers. Particulars of individual customer viz. name and amount shall be provided as an Annex to the bid.**

3. Allotment under the non-competitive segment to the bank or PD will be at the weighted average rate of yield/price that will emerge in the auction on the basis of the competitive bidding. The securities will be issued to the bank or PD against payment on the date of issue irrespective of whether the bank or PD has received payment from their clients.

4. In case the aggregate amount of bid is more than the reserved amount (5% of notified amount), pro rata allotment would be made. In case of partial allotments, it will be the responsibility of the bank or PD to appropriately allocate securities to their clients in a transparent manner.

5. In case the aggregate amount of bids is less than the reserved amount, the shortfall will be taken to competitive portion.

6. Security would be issued *only* in SGL form by RBI. RBI would credit either the main SGL account or the CSGL account of the bank or PD as indicated by them. The facility for affording credit to the main SGL account is for the sole purpose of servicing investors who are not their constituents. Therefore, the bank or PD would have to indicate clearly at the time of tendering the non-competitive bids the amounts (*face value*) to be credited to their SGL account and the CSGL account. Delivery in physical form from the main SGL account is permissible at the instance of the investor subsequently.

7. It will be the responsibility of the bank or the PD to pass on the securities to their clients. Except in extraordinary circumstances, the transfer of securities to the clients shall be completed within *five* working days from the date of issue.

8. The bank or PD can recover upto six paise per Rs100 as brokerage/commission/service charges for rendering this service to their clients. Such costs may be built into the sale price or recovered separately from the clients. In case the transfer of securities is effected subsequent to the issue date of the security, the consideration amount payable by the client to the bank or PD would also include accrued interest from the date of issue.

9. Modalities for obtaining payment from clients towards cost of the securities, accrued interest wherever applicable and brokerage/commission/service charges may be worked out by the bank or PD as per agreement with the client. It may be noted that no other costs such as funding costs should be built into the price or recovered from the client.

V. Banks and PDs will be required to furnish information relating to operations under the Scheme to the Reserve Bank of India (Bank) as may be called for from time to time within the time frame prescribed by the Bank.

VI. The aforesaid guidelines are subject to review by the Bank and accordingly, if and when considered necessary, the Scheme will be modified.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2007

'8.33 प्रतिशत सरकारी स्टॉक 2036' की बिक्री (पुनर्निर्गम) के लिए नीलामी

फा. सं. 4(5)-डब्ल्यूएंडर्स/2007(i). भारत सरकार द्वारा उपलब्ध करेन्द्र राहगारमेल (कोर्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिफेंस एजेंसी) अधिगृहित करती है यह विली इस अधिगृहण ('जैसे "डिप्टी अधिसूचना" कहा यह है') ने उद्दीप्ति इसी के अनुसार सभी प्रधान संस्थाओं द्वारा भारत सरकार द्वारा सामान्य अधिसूचना एक संक्षेप 4(9)-डब्ल्यूएंडर्स/2000 द्वारा 6 मई 2002 में दिए गए तिथि की जाएगी।

निर्गम की विधि

2. सरकारी स्टॉक की विक्री भारतीय रियल एक्सचेंज, मुद्रांक कार्यालय, और सरकारी बैंकों के बाहर से दिनांक 6 मई 2002 की अन्तर्गत अधिसूचना एक संख्या 4(9)-डब्ल्यूएंडर्स/2000 के दौरान 5.1 में विवरित रूप से उपलब्ध नीलामी विधि का प्रयोग करके द्वारा गृह्ण आधारित नीलामी द्वारा की जाएगी।

अप्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं को आबंटन

3. सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी बोली देने की सुविधा की संलग्न स्कीम (अनुबंध) के अनुसार बिक्री की अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक का सरकारी स्टॉक पात्र व्यक्तियों और संस्थाओं को आबंटित किया जाएगा।

नीलामी का रथान एवं तारीख

4. यह नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई-400001 द्वारा 7 सितम्बर, 2007 को संचालित की जाएगी। बोलियों सहित विधिवत भरे गए आवेदन-पत्र 7 सितम्बर, 2007 को अपशान 12.30 बजे तक उपर्युक्त कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए जाने चाहिए।

कब निर्गमित कारोबार

5. यह स्टॉक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसके परिपत्र सं0 आरबीआई/2006-07/178 दिनांक 16 नवम्बर, 2006 के अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार 'कब निर्गमित' कारोबार के लिए पात्र होगा।

अवधि

6. 7 जून, 2006 से प्रारम्भ यह स्टॉक तीस वर्ष की अवधि के लिए होगा। स्टॉक की वापसी-अदायगी 7 जून, 2036 को सममूल्य पर की जाएगी।

निर्गम की तारीख और स्टॉक के लिए भुगतान

7. नीलामी का परिणाम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने फोर्ट, मुंबई कार्यालय में 7 सितम्बर, 2007 को प्रदर्शित किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 10 सितम्बर, 2007 अर्थात् पुनर्निर्गम की तारीख को किया जाएगा। स्टॉक के लिए भुगतान में नीलामी में आबंटित स्टॉक के नामिनल मूल्य पर अंतिम कूपन भुगतान की तारीख से अर्थात् 7 जून, 2007 से 9 सितम्बर, 2007 तक उपचित ब्याज शामिल होगा।

ब्याज

8. प्रारम्भिक निर्गमन की तारीख से स्टॉक के नामिनल मूल्य पर 8.33 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज उपचित होगा तथा इसका भुगतान अर्द्ध-वार्षिक आधार पर 7 दिसम्बर तथा 7 जून को किया जाएगा।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
वि. शिवसुब्रमणियन, निदेशक (बजट)
अनुबंध

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में अप्रतिस्पर्धी बोली सुविधा स्कीम

I. कार्यक्षेत्र : सरकारी प्रतिभूतियों की व्यापक भागीदारी और खुदरा धारिता को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की चयनित नीलामियों ने "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर भागीदारी की अनुमति देने का प्रस्ताव किया गया है। तदनुसार, दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक की अप्रतिस्पर्धी बोलियां रखीकार की जाएंगी। प्रारम्भिक राशि के अन्तर्गत होगी।

II. पात्रता : भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामियों में अप्रतिस्पर्धी आधार पर ऐसे निवेशकों के लिए भागीदारी खुली होगी जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं :

1. जो भारतीय रिजर्व बैंक के पास चालू खाता (सीए) अथवा सहायक सामान्य बही (एसजीएल) खाता नहीं रखते हैं, अपवाद : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और सहकारी बैंकों को उनके सांविधिक दायित्वों के दृष्टिगत इस स्कीम के अधीन शामिल किया जाएगा।
 2. जो प्रति नीलामी दो करोड़ रुपए (अंकित मूल्य) से अनधिक राशि के लिए एक ही बोली लगाते हैं,
 3. जो यह स्कीम प्रदान करने वाले किसी एक बैंक अथवा ग्रामीण बैंक के माध्यम से अपनी बोली अप्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करते हैं।
- अपवाद : ऐसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) तथा सहकारी बैंक जो भारतीय रिजर्व बैंक मे एस.जी.एल.खाता और चालू खाता रखते हैं, अपनी अप्रतिस्पर्धी बोलियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने के लिए पात्र होंगे।

III. व्यापकता : उपर्युक्त शर्तों के अधीन "अप्रतिस्पर्धी" आधार पर फर्मों, कंपनियों, निगमित निकायों, संस्थाओं, भविष्य निधियों, न्यासों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा-निर्धारित किसी अन्य कंपनी सहित किसी भी व्यक्ति के लिए भागीदारी खुली

है। बोली देने की भूमतम राशि 10,000 रुपए (अकेत गूल्हा) और उसके बाद 10,000 रुपए के गुणजों में होगी जैसा अब तक दिनांकित रट्टैक के लिए है।

IV. अन्य प्रचालनात्मक दिशानिर्देश :

- खुदरा निवेशक के लिए उस बैंक अथवा प्राथमिक डीलर जिनके मध्यम से ही भाग लेना कहते हैं, के पारा एक संघटक सहारक सामान्य बही (सीएसजीएल) खाता रखना अनिवार्य नहीं होगा। तथापि, कई भा. निवेशक इस स्टीम के अधीन कैबिन एक बोली दे सकता है। इस आशय का बहन कि निवेशक कैबिन एक बोली दे ला है बैंक अथवा प्राथमिक डीलर द्वारा प्राप्त किया जाना और रिकार्ड में रखा जाना अवश्य होगा।
 - अपने ग्राहकों से प्राप्त पक्के आर्डर के आधार पर प्रत्येक बैंक अथवा प्राथमिक डीलर एनडीएस के जरिए आवेदन घार बोतियां प्रस्तुत करेगा। अन्य लोगों (अर्थात् गेर-ग्राहकों) से प्राप्त पक्के आर्डरों को प्राथमिक डीलर कार्यालय में वास्तविक आवेदन प्रपत्रों में प्रस्तुत किया जाए। वास्तविक आवेदन सभी ग्राहकों की समग्र राशि के लिए एक एकल बोली हो सकता है। अलग-अलग ग्राहकों का ब्यौरा यथा नाम और राशि बोली के अनुबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
 - बैंक अथवा प्राथमिक डीलर को अप्रैतोसार्व लंड के अधीन अस्तित्व के रूप में उस शासांशित औसत दर पर हीनों जो प्रतिरक्षी बोली देने के आधार पर नीलामी में सामने आएगी। इस बात पर ध्यान दिये जिसके बैंक अथवा प्राथमिक डीलर ने अपने ग्राहकों से गुणवत्तन प्राप्त कर लिया है या नहीं तिर्यग की लारीदारी वा गुणवत्तन प्राप्त वस्तु के बैंक या प्राथमिक डीलर को प्रतिभूतियों जारी की जाएगी।
 - ऐसे मामले में, जहाँ दोली की राशि प्रारक्षित राशि (अधिसूचित राशि के ५ प्रतोश) के अधीन है यथाचूदार अवधान किया जाएगा। आंशिक आवंटनों के मामले में, यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलरी जैसे उत्तरदायित होगा कि वह अपने ग्राहकों वो प्रतिभूतियों का उत्तित आवंटन एक पारदर्शी तरीके से करें।
 - ऐसे मामले में जहाँ बोली राशि प्रारक्षित राशि से कम हो, कमी को प्रतिस्पृही राशि नहीं जारी किया जाएगा।
 - प्रतिभूति को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कैबिन एनडीएल लाभ में जारी किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक एसजीएल के मुख्य एसजीएल खाते अथवा सोएसजीएल खातों में जमा करेगा। उनके लाभ के द्वारा दिया गया है। मुख्य एसजीएल खातों में जमा करने का साक्षर एकमात्र उस निवेशकों की जिम्मा के अंतर्गत नहीं है। जो उनके द्वारा दिया गया है। अलग बैंक अथवा प्राथमिक डीलरों के अप्रैतोसार्व बैंकियों छो. निवेशक देसे समय वस्तु के एनडीएल खातों और सीएसजीएल खातों में जमा होने वाली राशियों (उनके द्वारा दिया गया जमा करने में निवेशक के अनुरूप वर्ष में मुख्य एसजीएल खाते से वास्तविक रूप में की दृष्टि गुम्भूती रखी जायेगी।
 - यह बैंक अथवा प्राथमिक डीलर का उत्तरदायित है कि वह ग्राहक को प्रतिभूतियों पर विरक्ति दें। असाधारण पर्सिस्टेंशन के छोड़कर ग्राहकों वो प्रतिभूतियों का अत्यधिक नहीं दिया जाएगा। यह वर्ष में दिया जाएगा।
 - बैंक अथवा प्राथमिक डीलर अपने ग्राहकों को यह जैसा कहने का अधिकार प्रदान करता है कि वह उनके लाभों/कर्नीशन/सैक्षणिक इमार के रूप में दरखत कर सकते हैं। ऐसी जैसी दिये गये मूल्य में शामल उन जो लकड़ी वा साठी से उल्लंघन से बाहर हो सकती है। ऐसे मामले में जहाँ प्रतिभूतियों का अलापन प्रतिभूति के लाभ प्राप्त होता है, बैंक या प्राथमिक डीलर को ग्राहक द्वारा देख प्रतिफल रखि से नियम विधि से उत्तरोत्तर वा उत्तराधार द्वारा।
 - प्रतिभूतियों की लागत उपयोग व्याज जूही जूही ही तथा दलाली/पर्सिस्टेंशन व्याजों के लिए जाहलों से मुख्य व्याप करने की कारी प्रणाली बैंक या प्राथमिक डीलर द्वारा आनंद के बाये जो वह यहां के अनुदार विधिक की प्रतीकृति, वा उत्तरेखर्नीय है कि व्योह अन्य लाभों के विविध रूपों में व्याप्त नहीं जाता व्योह अन्य लाभों के विविध रूपों में व्याप्त नहीं किया जाना चाहिए।

V किंकी और प्राथमिक डॉलरों के भारतीय रिजर्वेशन बैंक (रिब) द्वारा सभी वित्तीय एवं गवर्नर के लिए संचालनी व संवर्धित सुधारों मिहरेस्त समय रीम के अन्तर्गत है। इन प्रतिवेदनों की विवरणीय

VI. उत्तर राज्योंके द्विशासनीयें हैं कि विद्या एवं विद्यार्थी के अधीन ही इन विद्यालयों का ही आवश्यकता होगी। ऐसीप्रकार संस्कृतिका विद्या ज्ञानपाठ

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 2007

Auction for Sale (Re-issue) of '8.33 per cent Government Stock, 2036'

F. No. 4(5)-W&M/2007(i).— Government of India hereby notifies sale (re-issue) of '8.33 per cent Government Stock, 2036' (hereinafter called 'the Stock') for an aggregate amount of Rs. 3,000 crore (nominal). The sale will be subject to the terms and conditions spelt out in this notification (called 'Specific Notification') as also the terms and conditions specified in the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 issued by Government of India as amended from time to time.

Method of Issue

2. The Stock will be sold through Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai- 400 001 in the manner as prescribed in paragraph 5.1 of the General Notification F No.4 (9)-W&M/2000, dated May 6, 2002 by a price based auction using multiple price auction method.

Allotment to Non-competitive Bidders

3. The Government Stock up to 5 per cent of the notified amount of the sale will be allotted to eligible individuals and institutions as per the enclosed Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities (Annex).

Place and date of auction

4. The auction will be conducted by Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400 001 on September 7, 2007. The application form duly filled in with the bids should be submitted to the aforesaid office on September 7, 2007, by 12.30 P.M.

When Issued Trading

5. The Stock will be eligible for "When Issued" trading in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India in its circular No.RBI/2006-07/178 dated November 16, 2006.

Tenure

6. The Stock will be of thirty-year tenure commencing from June 7, 2006. The stock will be repaid at par on June 7, 2036.

Date of issue and payment for the Stock

7. The result of the auction shall be displayed by the Reserve Bank of India at its Fort, Mumbai office on September 7, 2007. The payment by successful bidders will be on September 10, 2007. i.e., the date of re-issue. The payment for the Stock will include accrued interest on the nominal value of the Stock allotted in the auction from the date of last coupon payment, i.e., June 7, 2007 to September 9, 2007.

Interest

8. Interest at the rate of 8.33 per cent per annum will accrue on the nominal value of the Stock from the date of last coupon payment and will be paid half yearly on December 7 and June 7.
3671 52707-3

By Order of the President of India

V. SIVASUBRAMANIAN, Director (Budget)

Scheme for Non-competitive Bidding Facility in the Auctions of Government Securities

I. Scope: With a view to encouraging wider participation and retail holding of Government securities it is proposed to allow participation on "non-competitive" basis in *select* auctions of dated Government of India (GOI) securities. Accordingly, non-competitive bids *up to 5 per cent* of the notified amount will be accepted in the auctions of dated securities. The reserved amount will be **within** the notified amount.

II. Eligibility: Participation on a non-competitive basis in the auctions of dated GOI Securities will be open to investors who satisfy the following:

1. do not maintain current account (CA) or Subsidiary General Ledger (SGL) account with the Reserve Bank of India.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks shall be covered under this Scheme in view of their statutory obligations.

2. make a *single* bid for an amount not more than Rs. two crore (face value) per auction.
3. submit their bid *indirectly* through any *one* bank or PD offering this scheme.

Exceptions: Regional Rural Banks (RRBs) and Co-operative Banks that maintain SGL account and current account with the Reserve bank of India shall be eligible to submit their non competitive bids directly.

III. Coverage: Subject to the conditions mentioned above, participation on "non-competitive" basis is open to any person including firms, companies, corporate bodies, institutions, provident funds, trusts, and any other entity as may be prescribed by RBI. The minimum amount for bidding will be Rs. 10,000 (face value) and thereafter in multiples in Rs. 10,000 as hitherto for dated stocks.

IV. Other Operational Guidelines:

1. It will *not* be mandatory for the retail investor to maintain a constituent subsidiary general ledger (CSGL) account with the bank or PD through whom they wish to participate. However, an investor can make only a single bid under this scheme. An undertaking to the effect that the investor is making only a single bid will have to be obtained and kept on record by the bank or PD.

2. **Each bank or PD on the basis of firm orders received from their constituents may submit application -wise bids through NDS. The firm orders received from others (i.e. non-constituents) may be submitted in physical application forms to the PDO. The physical application may be a single bid for the aggregate amount of all the customers. Particulars of individual customer viz. name and amount shall be provided as an Annex to the bid.**

3. Allotment under the non-competitive segment to the bank or PD will be at the weighted average rate of yield/price that will emerge in the auction on the basis of the competitive bidding. The securities will be issued to the bank or PD against payment on the date of issue irrespective of whether the bank or PD has received payment from their clients.

4. In case the aggregate amount of bid is more than the reserved amount (5% of notified amount), pro rata allotment would be made. In case of partial allotments, it will be the responsibility of the bank or PD to appropriately allocate securities to their clients in a transparent manner.

5. In case the aggregate amount of bids is less than the reserved amount, the shortfall will be taken to competitive portion.

6. Security would be issued *only* in SGL form by RBI. RBI would credit either the main SGL account or the CSGL account of the bank or PD as indicated by them. The facility for affording credit to the main SGL account is for the sole purpose of servicing investors who are not their constituents. Therefore, the bank or PD would have to indicate clearly at the time of tendering the non-competitive bids the amounts (*face value*) to be credited to their SGL account and the CSGL account. Delivery in physical form from the main SGL account is permissible at the instance of the investor subsequently.

7. It will be the responsibility of the bank or the PD to pass on the securities to their clients. Except in extraordinary circumstances, the transfer of securities to the clients shall be completed within *five* working days from the date of issue.

8. The bank or PD can recover upto six paise per Rs100 as brokerage/commission/service charges for rendering this service to their clients. Such costs may be built into the sale price or recovered separately from the clients. In case the transfer of securities is effected subsequent to the issue date of the security, the consideration amount payable by the client to the bank or PD would also include accrued interest from the date of issue.

9. Modalities for obtaining payment from clients towards cost of the securities, accrued interest wherever applicable and brokerage/commission/service charges may be worked out by the bank or PD as per agreement with the client. It may be noted that no other costs such as funding costs should be built into the price or recovered from the client.

V. Banks and PDs will be required to furnish information relating to operations under the Scheme to the Reserve Bank of India (Bank) as may be called for from time to time within the time frame prescribed by the Bank.

VI. The aforesaid guidelines are subject to review by the Bank and accordingly, if and when considered necessary, the Scheme will be modified.
